गुजरात में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ईश्वरीय सेवाओं के 60 वर्ष के उपलक्ष्य में...

ईश्वरीय सेवाओं के 'हीरक जयंती वर्ष' पर स्नेह मिलन कार्यक्रम से किया आगाज़

के. एस. पटेल सामाजिक प्रभाव पुरस्कार 2024, गुजरात की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और आध्यात्मिकता, शांति और सामाजिक सेवा को बढ़ावा देने में अथक प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। हैप्पी विलेज कॉम्प्लेक्स की स्थापना सहित उनके प्रयास ने दुनिया भर में अनगिनत व्यक्तियों को सशक्त बनाया और एक स्थायी प्रभाव छोड़ा।

राजकोट-गुज.। त्रंबा के 'हैप्पी विलेज' रिट्रीट सेंटर में हीरक जयंती वर्ष उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारी बहनों के स्नेह मिलन कार्यक्रम का बड़े उमंग-उत्साह के साथ शुभारंभ किया। इस अवसर पर 'वैश्विक शांति एवं सद्भावना' के लिए 1500 ब्रह्माकुमारी बहनों ने सामूहिक रूप से एक साथ दस मिनट तक ओम शांति ध्वनि कर आगाज़ किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन ने गुजरात की सेवाओं की सराहना करते हुए शेर पर सवार शिवशक्ति स्वरूपा ब्रह्माकुमारी बहनों को लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि परमपिता परमात्मा शिव की प्रत्यक्षता के लिए गुजरात कोई विशेष सेवा योजना तैयार करे जिसे पूरे भारत में लागू किया जा सके। ब्रह्माकुमारीज़ के गुजरात राज्य की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी ने स्वयं को मजबूत करने के लिए अमृतवेला के मेडिटेशन अभ्यास पर विशेष ज़ोर दिया। ब्रह्माकुमारीज़ के ग्रामीण विकास विभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु.सरला दीदी ने कहा कि गुजरात पर पूर्वज आत्माओं, महारथी आत्माओं की दुआओं व देश-विदेश की शुभ-भावनाओं व कामनाओं से प्राप्त भूमि है। उन्होंने हीरक जयन्ती वर्ष 2025 में गुजरात के सभी जिलों में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जाने वाली सेवाओं से संबंधित विभिन्न 60 सेवा योजनाओं के कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर आर. के. विश्व विद्यालय के निदेशक डेनिस भाई पटेल ने ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यक्रम में उपस्थित होना अपने लिए एक गौरव का क्षण बताया और कहा कि संस्था द्वारा की जा रही आध्यात्मिक सेवाओं से यहां के क्षेत्र में मानवीय मूल्यों का प्रचार-प्रसार हो रहा है, जोकि आज मानव के जीवन में बहुत ही आवश्यक है। बहनों के निःस्वार्थ सेवा भाव से हमें सीखने की ज़रूरत है। कार्यक्रम की शुरूआत एंजल ग्रुप के स्वागत नृत्य से हुई। इसके अलावा नृत्य नाटिका और दीपक रास की प्रस्तुति हुई। विभिन्न राज्यों से आईं वरिष्ठ राजयोगिनी दीदीयों सहित सभी ब्रह्माकुमारी बहनों का भव्य स्वागत किया गया। श्वेत वस्त्रों व गोल्डन ताज से सु-सज्जित राजयोगी बहनों की दिव्यता सभागार में प्रमुख आकर्षण देखते ही बनी। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री भानुबेन बाबरिया, मेयर नयनाबेन पेधड़िया, गुणवंत भाई, भीखू भाई विरानी, युवा नेता किशोर भाई राठौड़, पंचशील स्कूल के डी.के.वडोदरिया, प्राध्यापक, चिकित्सक, उद्योगपति आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सतयुग चमत्कार से नहीं, आंतरिक परिवर्तन से आयेगा

प्रयागराज-उ.प्र.। आज भारत विश्व गुरू बनने की राह पर है, सारी दुनिया में इस बात की चर्चा है। परन्तु साथ में दुनिया की स्थितियां ऐसी है कि हर कोई सोच रहा है अब पता नहीं क्या होगा। शास्त्रों में कहा गया है कि सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलयुग क्रम से आते हैं। अब फिर सतयुग आने वाला है। परन्तु सतयुग कोई बाहर के परिवर्तन से या चमत्कार से नहीं आयेगा, हमारे आंतरिक परिवर्तन से आयेगा। न्यू कैंट स्थित पोलो ग्राउंड में 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा खुशहाल जीवन' विषय को इंटरनेशनल मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी बहन ने सम्बोधित करते हुए कहा। उन्होंने आगे कहा कि जब एक परिवार में लोग एक-दूसरे को प्यार देते हैं, सम्मान देते हैं, खुशी देते हैं तो कहते हैं कि इनका परिवार तो जैसे स्वर्ग है। इस तरीके से संसार में सतयुग भी हम ही अपने कर्मों द्वारा लायेंगे। जैसे शरीर फिटनेस के लिए हम बीच-बीच में स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज़ आदि करते हैं, इसी तरह बीच-बीच में यदि हम अपने मन को शांत कर परमात्मा से शक्ति लें तो हम मानसिक तौर पर लंबे समय के लिए स्वस्थ रह सकते हैं। फरिश्ते की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि फरिश्ता वह है जो निःस्वार्थ भाव से किसी की समस्या को खत्म कर दे, भले ही उस व्यक्ति से उसका कोई लेना-देना भी ना हो। हम रिश्ते में आते हैं क्योंकि हमें कुछ चाहिए, हमारे रिश्ते बिगड़ते हैं क्योंकि हम कहते हैं कि रिश्ते में हमें प्यार नहीं मिल रहा, हमको उनसे सम्मान नहीं मिल रहा है, परन्तु क्या हम फरिश्तों की तरह निःस्वार्थ भाव से देते भी हैं? धन देना बड़ी बात नहीं है लेकिन क्या हम दूसरों को निःस्वार्थ भाव से प्यार, शुभ भावना, धैर्य, हिम्मत देते हैं? शिवानी बहन ने अपने मन के ऊपर भी ध्यान रखने के लिए कहा। जैसे एक सफेद कपड़ा यदि हम दिन भर पहन के रखें तो शाम तक गंदा हो जाएगा। यदि हम ध्यान देते रहें तो कम से कम हम उसपर दाग नहीं लगने देंगे। इसी तरह हम अपने मन पर क्रोध का, लालच का, आलस्य आदि का दाग लगने न दें तो हम अपने मन को भी स्वच्छ रख सकते हैं और जीवन में सुख-शांति का अनुभव कर सकते हैं। हमारे भाग्य के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं भगवान भाग्य लिखता है लेकिन वास्तव में भगवान भाग्य नहीं लिखता, हम ही अपने कर्मों के द्वारा अपना भाग्य स्वतः लिखते हैं। भगवान हमें हिम्मत देता है, ताकत देता है, साथ देता है एक मां की तरह, एक पिता की तरह। इसलिए शिवानी बहन ने अपने आप को परिवर्तन करने पर विशेष ध्यान दिलाया और दिन में बीच-बीच में मेडिटेशन करने की सलाह भी दी। कार्यक्रम में वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान, पूर्व सांसद केसरी देवी पटेल, लोकसेवा आयोग के सदस्य कल्पराज सिंह, उत्तर मध्य रेल्वे के जीएम उपेंद्र जोशी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया, न्यायमूर्ति समित गोपाल, न्यायमूर्ति दीपक वर्मा, पूर्व शिक्षा मंत्री नरेंद्र सिंह गौर सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जीवन में अपनाने योग्य बातेंः

- जब एक परिवार में लोग एक-दूसरे को प्यार देते हैं, सम्मान देते हैं, खुशी देते हैं तो कहते हैं इनका परिवार तो जैसे स्वर्ग है। इस तरीके से संसार में सतयुग भी हम ही अपने कर्मों द्वारा लायेंगे।
- कहते हैं भगवान भाग्य लिखता है परन्तु वास्तव में भगवान भाग्य नहीं लिखता लेकिन हम ही अपने कर्मों के द्वारा अपना भाग्य स्वतः लिखते हैं। भगवान हमें हिम्मत देता है, ताकत देता है, साथ देता है एक मां की तरह, एक पिता की तरह।
- फरिश्ता वह है जो निःस्वार्थ भाव से किसी की समस्या को खत्म कर दे, भले ही उस व्यक्ति से उसका कोई लेना-देना भी ना हो।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th Jan, 2025
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org